Toilsome” का क्या अर्थ है ?

- हिब्रू शब्द : *Amal* (עָמָל)
- अर्थ : ऐसा श्रम जो थकाऊ , भारी , और अक्सर निरर्थक होता है। यह केवल शारीरिक ही नहीं , बल्कि भावनात्मक और आत्मिक रूप से भी थका देने वाला काम है।

सभोपदेशक 4:4 का सारांश

> “तब मैंने देखा कि सब परिश्रम और सब कुशल कार्य मनुष्य के पड़ोसी से डाह के कारण उत्पन्न होते हैं। यह भी व्यर्थ है और वायु को पकड़ना है। ”
> – सभोपदेशक *4:4 (HINDI BSI)*

- सुलेमान की समझ : बहुत से लोग इसलिए मेहनत करते हैं क्योंकि वे दूसरों से आगे निकलना चाहते हैं।
- परिणाम : अगर काम ईर्ष्या या तुलना से प्रेरित है , तो वह व्यर्थ (हिब्रू : *hebel*) है —अस्थायी और खाली।

हर परिश्रम बुरा नहीं होता

- परिश्रम पवित्र हो सकता है यदि :
  - वह ईमानदारी से किया जाए।
  - वह सेवा और देखभाल के लिए हो।
  - वह परमेश्वर की महिमा के लिए हो।

Toilsome” का क्या अर्थ है?

“फिर यह भी परमेश्वर का वरदान है, कि जिस किसी को उसने धन और संपत्ति दी हो, उसको यह सामर्थ्य भी दी हो कि वह उन को खाए और अपने परिश्रम में सुखी और अपने परिश्रम से आनन्द उठाए।”
– सभोपदेशक 5:19 (HINDI BSI)

जब काम व्यर्थ लगता है

“कोई मनुष्य अकेला रहता था, उसका न तो पुत्र था और न भाई;
तौभी उसके परिश्रम का अन्त न था, और उसकी आंखें धन से नहीं अघाईं, और उसने यह भी नहीं पूछा, कि मैं किस के लिये परिश्रम कर रहा हूं, और अपने प्राण को सुख से क्यों वंचित करता हूं?
यह भी व्यर्थ और दु:खदाई काम है।”
– सभोपदेशक 4:8 (HINDI BSI)

संदेश: अगर कार्य का कोई संबंध संबंधों या परम उद्देश्य से नहीं है, तो वह अंत में खाली और कष्टदायक होता है

।यीशु सच्चा विश्राम देते हैं

Toilsome” का क्या अर्थ है?

“हे सब परिश्रम करने वालों और बोझ से दबे लोगों, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।
मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो, और मुझ से सीखो; क्योंकि मैं नम्र और मन में दीन हूं;
और तुम्हारे प्राणों को विश्राम मिलेगा।
क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हल्का है।”
– मत्ती 11:28–30 (HINDI BSI)

“व्योर्थ है कि तुम बहुत भोर को उठो, और देर तक विश्राम न करो, और दुख की रोटी खाओ;
वह तो अपने प्रिय को नींद में ही सब कुछ देता है।”
– भजन संहिता 127:2 (HINDI BSI)

निष्कर्ष

Amali (toilsome labor) दो प्रकार का हो सकता है:
व्यर्थ: यदि यह ईर्ष्या, घमंड, या लालच से प्रेरित हो।
मूल्यवान: यदि यह परमेश्वर को समर्पित हो, उद्देश्यपूर्ण हो, और सेवा के लिए किया गया हो।

“जो कुछ तेरे हाथ से करने को मिले, उसे अपनी पूरी शक्ति से

> कर, क्योंकि उस कब्र में जहां तू जाएगा , न कोई काम होगा , न कोई युक्ति , न ज्ञान , और न बुद्धि। ”
> – सभोपदेशक *9:10 (HINDI BSI)*

प्रार्थना है कि प्रभु तुम्हारे हाथों के काम को आशीष दे।
यदि यह संदेश आपके लिए सहायक रहा है , तो कृपया इसे दूसरों के साथ बाँटें।

Share on:
WhatsApp

Print this post